तापमान

अधिकतम 26.0 डिग्री

न्यूनतम 11.0 डिग्री

हरिभूमि

रत्न भूमि

रायपुर, सोमवार 5 जनवरी 2026

11 डबल इंजन सरकार में हो रहा है चहुंओर विकास कार्य : विधायक

12 मड़ई मेला छत्तीसगढ़ के समृद्ध परंपरा का प्रतीकः निखिलकांत

खबर संक्षेप

कुल्हाडीघाट में सौर स्ट्रीट लाईट बंद

मैनपुर। मैनपुर विकासखण्ड के दूरस्थ वनांचल में बसे कुल्हाडीघाट ग्राम पंचायत के सामने लगाए गए स्ट्रीट लाईट पिछले एक साल से बंद है। यह विशेष पिछड़ी कमार जनजाति ग्राम है और यहां के ग्रामीणों ने कई बार स्ट्रीट लाईट की सुधार की मांग कर थक चुके हैं लेकिन अब तक संबधित विभाग द्वारा इस ओर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है।

सड़क हादसे में मोटर सायकिल सवार महिला की मौके पर मौत, पति गंभीर

अभनपुर। रविवार को नेशनल हाईवे में अभनपुर–रायपुर मार्ग पर एक दर्दनाक सड़क हादसे में बाइक सवार महिला की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उसका पति गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद आक्रोशित लोगों ने सड़क पर जाम कर दिया, जिससे यातायात कुछ समय के लिए पूरी तरह बाधित रहा।

प्राप्त जानकारी के अनुसार जुरुम टेकारी निवासी बैसाखिन बाई बघेल (56) अपने पति केशव बघेल (57) के साथ मोटरसाइकिल से नवा रायपुर से अभनपुर की ओर लौट रही थीं। इसी दौरान मेनफोर्ट स्कूल के पास तेज रफ्तार हाइवा वाहन ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक के परखच्चे उड़ गए। हादसे में बैसाखिन बाई सड़क पर गिरकर हाइवा के चक्के के नीचे आ गईं, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। वहीं केशव बघेल गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना की खबर फैलते ही आसपास के लोग बड़ी संख्या में मौके पर जमा हो गए और हादसे के विरोध में सड़क पर जाम कर दिया। सूचना मिलते ही अभनपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और लोगों को समझाइश देकर यातायात बहाल कराया। पुलिस ने मृतका के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया ▶▶|शेष पेज 10 पर

विडंबना : विकास से कोसों दूर देवडोंगर, एक बोरी राशन के लिए 10 किमी का पैदल सफर

पथरीली धरती व सरकारी उपेक्षा की मार, खेती छोड़ बांस शिल्प के भरोसे हैं कमार जनजाति

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मैनपुर

केंद्र और राज्य सरकार विशेष पिछड़ी जनजाति (कमार) के उत्थान के लिए 'पीएम जनमन' जैसी महत्वाकांक्षी योजनाएं चला रही हैं, लेकिन धरातल पर सच्चाई इसके उलट है। गरियाबंद जिले के मैनपुर विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत कुल्हाड़ीघाट का आश्रित ग्राम देवडोंगर-चारडीही आज भी अपनी बुनियादी जरूरतों के लिए संघर्ष कर रहा है। तहसील मुख्यालय से मात्र 14 किमी दूर घने जंगलों में बसा यह गांव प्रशासनिक उपेक्षा का जीवंत उदाहरण बन गया है। ग्रामीणों ने बताया कि कुल्हाड़ीघाट मुख्य मार्ग ▶▶|शेष पेज 10 पर

प्रस्ताव भेजा गया है

डीएस नागवंशी, सीईओ, जनपद पंचायत मैनपु ने कहा की ग्राम चारडीही और देवडोंगर में सभी के लिए प्रधानमंत्री आवास बनाए जा रहे हैं। अन्य मूलभूत सुविधाओं के विस्तार के लिए शासन को प्रस्ताव भेजा गया है।बनसिंह सोरी, सरपंच, ग्राम पंचायत कुल्हाड़ीघाट ने कहा की सड़क के लिए हम कई बार आवेदन देकर थक चुके हैं। जब तक पक्की सड़क नहीं बनेगी, गांव तक अन्य विकास कार्य पहुंचना मुश्किल है।

खेतों में बढ़ी रबी की हलचल, लाई चोपा विधि से धान की बुआई शुरू

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मैनपुर

धान कटाई और मिजाई के बाद अब आदिवासी मैनपुर विकासखण्ड क्षेत्र के गांव में किसान रवि फसल लगाने खेतों में दिन रात मेहनत करते दिखाई दे रहे है ज्ञात हो कि मैनपुर क्षेत्र में सिंचाई का कोई साधन नहीं है बावजूद इसके अब बडी संख्या में किसान अपने खेतो में टयूबवेल खनन करवाकर स्वंय के सिंचाई साधन उपलब्ध कराकर धान, मक्का और सब्जी के साथ ही रवि में दलहन, तिलहन की फसल लेने लगे हैं और इन दिनों खेतो में चहल, पहल बढ़ गई है। मैनपुर गौरघाट, जाड़ापदर, जिड़ार, हरदीभाठा, चलकीपारा में आज कई किसान खेतों में मताई कर धान की जड़ी निकाल बोआई कार्य प्रारंभ कर दिए हैं, जिसे लाई चोपा बोआई कहते है इस संबंध में किसान रामेश्वर मरकाम, बुधेश्वर नागेश, योगेश ठाकुर, मिलेन्द्र कुमार, भरत, थानु पटेल ने बताया कि मैनपुर क्षेत्र में रवि फसल के तहत किसान खेतो में धान और मक्का की फसल ले रहे है, खरीफ सीजन में लिए गए मक्का की अब तक एक ओर समर्थन मूल्य पर खरीदी प्रारंभ नही हुआ है जिसके कारण कई किसान इस बार मक्का फसल से दूर होते दिख रहे है, लेकिन कई किसान मक्का की फसल लेने की भी तैयार कर रहे है ग्रीष्मकालीन धान की खेती में पानी की अधिक जरूरत पड़ती है इसलिए किसानों को ग्रीष्मकालीन धान की खेती कम करने के सलाह दिया जा रहा है वही कई किसान सब्जी,भाजी की फसल लेने की तैयारी कर रहे है।

नवापारा में विप्रकुल महिला मंडल का भव्य आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नवापारा-राजिम

रविवार को शहर के विप्र भवन में विप्रकुल महिला मंडल द्वारा सामाजिक एकता और संगठन को सशक्त बनाने के उद्देश्य से एक भव्य कार्यक्रम महिला मंडल के बीसी नव-गठन का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम की शुरूआत भगवान श्री परशुराम जी की विधिवत पूजा-अर्चना के साथ की गई, जिसमें समाज की महिलाओं ने श्रद्धा और भक्ति भाव से भाग लिया। कार्यक्रम में उपस्थित समाज की महिलाओं ने संगठन को और अधिक मजबूत बनाने तथा अपने सामाजिक दायित्वों का निष्ठापूर्वक निर्वहन करने का सामूहिक संकल्प लिया। महिलाओं ने कहा कि समाज के विकास में उनकी भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है और संगठित होकर कार्य करने से ही समाज को नई दिशा दी जा सकती है। महिला मंडल की पदाधिकारियों ने अपने उदबोधन में कहा कि ऐसे आयोजन समाज में जागरूकता, आपसी सहयोग और संस्कारों को मजबूत करने का कार्य करते हैं। महिलाओं को सामाजिक, सांस्कृतिक एवं नैतिक जिम्मेदारियों के प्रति सजग रहकर समाजहित में कार्य करना चाहिए। इस अवसर पर समाज की महिलाओं ने बड़ी संख्या में उत्साहपूर्वक भाग लिया। आयोजन के दौरान संगठन को आगामी समय में और अधिक सशक्त, संगठित एवं सक्रिय बनाने पर चर्चा की ▶▶|शेष पेज 10 पर

मां बगलामुखी यज्ञ के मिर्ची हवन में पहुंचे सैकड़ों श्रद्धालु

अभनपुर। ग्राम खोरपा-भटगांव स्थित माता काली मंदिर परिसर इन दिनों शक्ति उपासना, तंत्र-साधना एवं वैदिक मंत्रोच्चारण से गुंजायमान है। मां महाकाली सेवा समिति खोरपा-भटगांव के तत्वावधान में आयोजित 21 कुंडीय अखंड महाकाली यज्ञ एवं अखंड मां बगलामुखी यज्ञ (मिर्ची हवन) में प्रतिदिन सैकड़ों श्रद्धालु परिक्रमा कर आहुति अर्पित कर रहे हैं। हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी खोरपा में दूर-दराज से हजारों श्रद्धालु पहुंचकर मां महाकाली व मां बगलामुखी का आशीर्वाद प्राप्त कर रहे हैं। यज्ञ का संचालन मां महाकाली भक्त मिथलेश बघेल के सान्निध्य में किया जा रहा है। मिथलेश बघेल एवं उनके शिष्यों द्वारा वैदिक मंत्रों, तांत्रिक विधियों और शास्त्रोक्त विधान के अनुसार यज्ञ-हवन निरंतर जारी है। चार दिनों तक चलने वाला 21 कुंडीय अखंड यज्ञ क्षेत्र में सकारात्मक ऊर्जा के संचार और नकारात्मक शक्तियों के शमन का संदेश दे रहा है। 4 जनवरी को समापन अवसर पर नागपुर के सतीश साहू व उनकी टीम द्वारा मां महाकाली की भव्य झांकी प्रस्तुत की जाएगी।

7 जनवरी को धर्मध्वजा स्थापना व कलश पूजन

अयोध्या की तर्ज पर चतुर्भुज सिरकट्टी आश्रम में श्रीराम-जानकी मंदिर का भव्य निर्माण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गरियाबंद

छत्तीसगढ़ प्रदेश के प्रसिद्ध चतुर्भुज सिरकट्टी आश्रम में अयोध्या धाम की तर्ज पर निर्मित भव्य श्रीरामजानकी मंदिर अब पूर्णता की ओर है। इस ऐतिहासिक अवसर पर 07 जनवरी (बुधवार) को श्रीरामजानकी मंदिर में धर्मध्वजा स्थापना एवं कलश पूजन का भव्य आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि छत्तीसगढ़ शासन के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय होंगे, जबकि अध्यक्षता उप मुख्यमंत्री अरुण साव करेंगे। यह आयोजन न केवल धार्मिक, बल्कि सांस्कृतिक दृष्टि से भी प्रदेश के लिए ऐतिहासिक माना जा रहा है। आश्रम परिसर में 06 जनवरी से 12 जनवरी तक 51 कुंडीय श्रीरामचरितमानस महायज्ञ का आयोजन किया जा रहा है, जो अपने 65वें वर्ष में प्रवेश कर चुका है। इस महायज्ञ में प्रदेश सहित देशभर से साधु-संत एवं हजारों श्रद्धालु भाग लेंगे।

9 वर्षों की साधना से साकार हुआ मंदिर निर्माण

श्रीरामजानकी मंदिर के निर्माण में लगभग 09 वर्ष का समय लगा है। इस भव्य मंदिर का निर्माण आश्रम के महामंडलेश्वर संत गोवर्धन शरण ब्यास जी के संकल्प और सतत प्रयासों का प्रतिफल है। प्रदेश भर के 20 हजार परिवारों के अंशदान से लगभग 07 करोड़ रुपये की लागत से यह मंदिर निर्मित हुआ है। मंदिर निर्माण में प्रयुक्त सभी पत्थर जयपुर से लाए गए हैं तथा जयपुर के दक्ष कारीगरों द्वारा शिल्पकला का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया गया है। भगवान श्रीराम की प्रतिमा भी जयपुर से ही मंगाई गई है।

2017 में हुआ था भूमि पूजन, अब होगा धर्मध्वजारोहण- धर्म जागरण की इस पावन यात्रा की नींव माघ माह की चतुर्थी तिथि, 07 जनवरी 2017 को पड़ी थी, जब तत्कालीन मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह ने मंदिर का भूमि पूजन किया था। अब ठीक उसी तिथि 07 जनवरी को श्रीरामजानकी मंदिर में धर्मध्वजारोहण एवं कलश स्थापना संपन्न होगी। सन् 1962 से संचालित चतुर्भुज सिरकट्टी आश्रम आस्था और अध्यात्म का प्रमुख केंद्र रहा ▶▶|शेष पेज 10 पर

खबर संक्षेप

दुर्गानगर मामले पर ओछी राजनीति न करें कांग्रेसी

रायपुर। मनोनीत पार्षद एवं भाजपा जिला कार्यसमिति सदस्य टीटी बेहरा ने ने विज्ञप्ति के माध्यम से कहा है कि सिविल लाइंस वार्ड के दुर्गानगर में हाउसिंग बोर्ड की महत्वपूर्ण परियोजना का क्रियान्वयन होना है। इस पर काबिज 130 मकानों का हाउसिंग बोर्ड ने नगर निगम के नियमानुसार पैसा भी जारी कर दिया है। दुर्गानगर में निवासरत 130 लोगों को कचना के अटल आवास में आवंटन दे दिया गया है। इस मामले में क्षेत्रीय विधायक आमजनों के संबंध में वित्तमंत्री को पत्र लिख चुके हैं। इसके बावजूद विधायक को बदनाम करने के लिए कुछ कांग्रेस गलत बयानबाजी कर रहे हैं।

विकास को मिली सच बोलने की सजाः भाजपा

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता उज्ज्वल दीपक ने कांग्रेस नेता विकास तिवारी को पद से हटाने को 'सच बोलने की सजा' बताया है। श्री दीपक ने कहा, कांग्रेस दूसरों पर कीचड़ उछालने की राजनीति तो खूब करती है,

लेकिन अपने कीचड़ सने हाथों की सफाई की नसीहत कांग्रेस को कितनी नागवार गुजरी, यह श्री तिवारी को पद से हटाए जाने से पूरे प्रदेश को पता चल गया। लोकतंत्र की हत्या होने की बात करने वाली कांग्रेस पार्टी में खुद आंतरिक लोकतंत्र की कमी है और किसी भी कार्यकर्ता द्वारा प्रश्न उठाना कांग्रेस पार्टी को स्वीकार नहीं है। श्री दीपक ने कहा, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह का नार्को टेस्ट कराने का शोर मचाते कांग्रेस नेताओं को अपना नार्को टेस्ट कराने में इतनी बेचैनी क्यों हो रही है।

मंत्री की निष्क्रियता पर सवाल उठाना समाज के गौरव पर हमला नहीं

रायपुर। बिलासपुर के लिंगियाडीह की सभा में डिप्टी सीएम अरुण साव की कार्यशैली को लेकर पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के बयान को जातिगत रंग देने के प्रयास की कड़ी निंदा करते हुए प्रदेश कांग्रेस कमेटी के संयुक्त महामंत्री डॉ. अजय साहू ने कहा है कि वर्तमान सरकार के एक जिम्मेदार उपमुख्यमंत्री, जो पीडब्ल्यूडी विभाग के मंत्री भी हैं, उनके द्वारा किए जा रहे दावे और बिलासपुर की राजनीति में उनकी सक्रियता की नौटंकी से जमीनी हकीकत बिल्कुल अलग है। इसी संदर्भ में प्रचलित बंदर की कहानी पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने सुनाई, यह बयान किसी जाति, धर्म, संप्रदाय या संस्थान के खिलाफ कदापि नहीं है। मंत्री की अक्षमता छुपाने के लिए इस तरह से समाज का आड़ लेकर जवाबदेही से बचने का कुत्सित प्रयास किया जा रहा है।

मुंबई महानगर पालिका चुनाव के लिए प्रदेश के दो महापौर और पूर्व सभापति को भी जिम्मा

रायपुर। भाजपा के राष्ट्रीय संगठन के छत्तीसगढ़ ने भाजपा नेताओं का उपयोग दूसरे राज्यों के विधानसभा चुनावों में तो करता ही है, अब मुंबई महा नगर पालिका के चुनाव में प्रदेश के दो महापौरों जगदलपुर के महापौर संजय पांडेय तथा धमतरी के महापौर रामू रोहरा के साथ ही रायपुर नगर निगम के पूर्व सभापति और नागरिक आपूर्ति निगम के अध्यक्ष संजय श्रीवास्तव को जिम्मा दिया गया है। ये मुंबई में पार्टी के पक्ष में चुनाव प्रचार करने पहुंचे हैं। वरिष्ठ भाजपा नेता संजय श्रीवास्तव ने कहा, पूरे देश में भाजपा के पक्ष में माहौल है। मुंबई के लोग भी स्थानीय निकाय के चुनाव में भाजपा को जीत दिलाने के मूड में है। मुंबई महा नगर पालिका का चुनाव अभी निर्धारित समय से तीन वर्षों के बाद होने जा रहा है। यह चुनाव वर्ष 2022 में होना था, लेकिन तब यह टल गया और अब इसका चुनाव कराया जा रहा है। मुंबई महा नगर पालिका का चुनाव काफी विस्तृत होता है और इसके अंतर्गत 6 जिले आते हैं, जिसमें 227 वार्ड शामिल है। भारतीय जनता पार्टी इस चुनाव में शिवसेना शिंदे के साथ गठबंधन कर चुनाव लड़ रही है। इसमें छत्तीसगढ़ और मध्यप्रदेश से तीन-तीन तथा उत्तरप्रदेश और गुजरात से एक-एक सदस्य कुल आठ सदस्यों की टीम पार्टी के पक्ष में चुनाव प्रचार करने पहुंची हैं।

राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव के बाद मिलेगा प्रदेश भाजपा को नया प्रभारी, संगठन करेगा तय

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

- नितिन नवीन के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष बनने के कारण होगी नई नियुक्ति

भाजपा के प्रदेश प्रभारी नितिन नवीन के भाजपा के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष बनने के बाद अब छत्तीसगढ़ के प्रदेश भाजपा संगठन को नया प्रदेश प्रभारी मिलना लगभग तय हो गया है।

इस माह भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव के बाद ही नए प्रदेश प्रभारी की नियुक्ति होने की संभावना है। इसका जिम्मा किसे दिया जाएगा, इसको लेकर प्रदेश भाजपा संगठन के नेताओं के पास कोई जानकारी नहीं है। इनका कहना है, जो भी होगा राष्ट्रीय संगठन तय करेगा। एक बात तय मानी जा रही है कि किसी ऐसे नेता को प्रदेश का प्रभारी बनाया जाएगा जो 2028 में होने वाले विधानसभा के चुनाव में भी अहम भूमिका निभा सके।

प्रदेश में एक बार फिर से भाजपा की सरकार लाने के पीछे जहां भाजपा के प्रदेश प्रभारी

ओम माथुर का बड़ा हाथ रहा, वहीं सह प्रभारी के रूप में चुनाव के समय में काम करने वाले नितिन नवीन का भी अहम रोल रहा। विधानसभा चुनाव के बाद नितिन नवीन को छत्तीसगढ़ का प्रदेश प्रभारी बना दिया गया था। उनके नेतृत्व में यहां पर लोकसभा के चुनावों के बाद नगरीय निकाय और पंचायत के चुनाव हुए तो इसमें भाजपा को बड़ी सफलता मिली। अब श्री नवीन को भाजपा का राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष बना दिया गया है तो यह माना जा रहा है कि उनके स्थान पर छत्तीसगढ़ में प्रदेश प्रभारी का जिम्मा किसी दूसरे नेता को दिया जाएगा। अब ये दूसरे नेता कौन होंगे, इसका फैसला तो राष्ट्रीय संगठन ही करेगा। इस माह 20 जनवरी से पहले भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव होने की संभावना है। इस चुनाव में छत्तीसगढ़ की अहम भूमिका होगी। छत्तीसगढ़ के राष्ट्रीय परिषद के सदस्य भी प्रस्वातक और समर्थक बनेंगे। नितिन नवीन को ही पूर्णकालिक अध्यक्ष बनाए जाने की संभावना है। राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव के बाद भाजपा का राष्ट्रीय संगठन कई राज्यों के प्रदेश प्रभारी तय करेगा तो उसी के साथ छत्तीसगढ़ का भी नया प्रदेश प्रभारी तय होगा।

शहर में बढ़े 561 मतदान केंद्र, औसत मतदाता घटकर हुए 550

मतदान केंद्र बढ़ने के साथ ही बूथ में औसत मतदाताओं की संख्या हजार से भी कम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ में एसआईआर के साथ ही निर्वाचन आयोग ने मतदान केंद्र बढ़ाने का निर्णय लिया है। मतदान केंद्रों में औसत मतदाता की संख्या को कम करने का निर्णय लिया गया है। पहले यह संख्या 1200 से 1500 के बीच होती थी, जो घटकर अब 550 से 800 तक हो जाएगी। निर्वाचन आयोग के अधिकारियों के अनुसार, नए मतदान केंद्र मुख्य रूप से उन इलाकों में बनाए जा रहे हैं, जहां जनसंख्या घनत्व बढ़ा है या प्रति बूथ मतदाताओं की संख्या 1200 से अधिक हो गई है। जिन क्षेत्रों में भौगोलिक कठिनाइयों के कारण मतदान नहीं कर पाए थे, वहां भी विशेष रूप से केंद्र स्थापित किए गए हैं। अब किसी भी मतदाता को दो किमी से अधिक दूरी मतदान के लिए नहीं तय करनी होगी।

प्रदेश में पूर्व में कुल मतदान केंद्रों की संख्या 24371 थी, 2828 नए मतदान केंद्र बनाए जाने से यह बढ़कर 27199 हो जाएगी। राज्य के कुल मतदाताओं की संख्या के अनुपात में औसत मतदाताओं की संख्या हर मतदान केंद्र में घट जाएगी।बताया जाता है कि एसआईआर के पहले जो सूची थी उसमें 2 करोड़ 12 लाख मतदाता थे। निर्वाचन आयोग ने जो पुनरीक्षित सूची जारी की है उसमें नए केंद्रों का उल्लेख किया है।मतदाताओं को अपना नाम खोजने में दिक्कत हो रही है। बताया गया है कि एसआईआर के अंतिम मतदाता सूची आने के बाद कुल मतदाता संख्या में कमी आने की संभावना है। ऐसे में प्रति मतदान केंद्र में मतदाताओ की और संख्या काफी कम हो जाएगी।

शहर के अधिकतर मतदान केंद्रों में औसत 500-600 मतदाता

रायपुर शहर के अंतर्गत रायपुर ग्रामीण, रायपुर पश्चिम, रायपुर उत्तर एवं रायपुर दक्षिण विधानसभा क्षेत्रों में मतदान केंद्रों की संख्या बढ़ा दी गई है। रायपुर ग्रामीण में जहां पूर्व में 327 मतदान केंद्र थे, अब उनकी संख्या 491 कर दी गई है। इसी प्रकार रायपुर पश्चिम में 283 से बढ़ाकर 385, रायपुर उत्तर में 204 से बढ़ाकर 259 तथा रायपुर दक्षिण में 253 से बढ़ाकर 344 मतदान केंद्र कर दिए गए हैं। इन आंकड़ों का विश्लेषण करें तो अधिकांश मतदान केंद्रों में औसतन केवल 500 से 600 मतदाता ही दर्ज हैं। वहीं कई बूथों पर यह संख्या 200 से 230 तक सिमट गई है।

नाम खोजने और सत्यापन में परेशानी

मतदाता सूची के प्रारंभिक प्रकाशन के बाद मतदान केंद्रों की संख्या में परिवर्तन किए जाने से बीएलए को अपने-अपने बूथ पर मतदाताओं का नाम खोजने, सत्यापन करने में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

ग्रामीण और नक्सल प्रभावित जिले शामिल

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने बताया कि निर्वाचन आयोग के नए केंद्रों में लगभग 45 प्रतिशत ग्रामीण इलाकों में और 25 प्रतिशत नक्सल प्रभावित जिलों में बनाए गए हैं। आयोग का उद्देश्य यह है कि किसी भी मतदाता को अपने घर से मतदान केंद्र तक जाने के लिए दो किलोमीटर से अधिक दूरी तय न करनी पड़े। वहीं इस बार दिव्यांग और बुजुर्ग मतदाताओं की सुविधा पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। हर नए मतदान केंद्र पर व्हीलचेयर, रैंप, पेयजल और शौचालय जैसी मूलभूत सुविधाएं अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराई जाएंगी, ताकि सभी मतदाता बिना किसी असुविधा के मतदान कर सकें।

मैनपुर के बाजारों में कंदमूल की बहार 20 से अधिक किस्मों के साथ सेहत का भंडार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मैनपुर

ठंड के इस सीजन में आदिवासी विकासखण्ड मैनपुर क्षेत्र के साप्ताहिक बाजार में तरह–तरह के पौष्टिक कंद मूल बिकने के लिए पहुच रहा है, इसके उपयोग के बारे में बहुत कम लोग जानते है लेकिन यह कंदमूल सेहत के लिए काफी लाभदायक बताया जाता है इसमें से 80 प्रतिशत कंदमूल को उगाया नही जाता बल्कि जंगल में प्राकृतिक रूप से मिलता है जिसे वनांचल क्षेत्र में निवास करने वाले लोग बहुत मेहनत के साथ एकत्र कर बाजार तक लाते है, इसके उपयोग करने वाले लोग इसे खरीदकर पुरे सालभर सहजकर रखते है खासकर इनमें से कई कदमूल ताकब बढाने, शक्तिवर्धक, सर्दी,खांसी, बुखार, मलपीत और पथरी जैसे बीमारी में भी उपयोग किया जाता है, बारिश थमते ही ग्रामीण क्षेत्रें में कंदीय फसलों की खुदाई शुरू हो गई है, जिसके चलते सोमवार बाजार में 20 से अधिक प्रकार की कंदीय फसले ग्रामीणों द्वारा बेचने लाई जा रही है, अपनी पसंद का कन्द खरीदने लोगों की भीड़ भी नजर आ रही है, समूचे आदिवासी अंचल को देश दुनिया में औषधियों का गढ़ माना जाता है, यहां कम से कम 100 प्रकार के कंद उपलब्ध हैं, इनमें से 20 से अधिक तरह के कंद आज भी हाट बाजारों में ग्रामीण बेचने ला रहे हैं।, इनका उपयोग औषधि से लेकर सब्जियां और अचार बनाने में भी किया जाता है। करीब 35 किमी दूर भालूकोना,तारझर, आमामोरा, मटाल, कुर्वापानी, भालूडिग्गी आई सावित्री,

राधामनी, बालमती, मानबती ने बताया कि कन्दीय फसलों की खुदाई एकादशी मनाने के बाद ही की जाती है, कन्दीय फसलों का उपयोग आमतौर पर लोग सब्जियों के लिए करते हैं, लेकिन क्षेत्र और उड़ीसा क्षेत्र से लाई गई हल्दी की मांग दूर-दूर तक है इसलिए अंचल के ग्रामीण परंपरागत तरीके से उपजाई गई हल्दी, अदरक सहित अन्य कन्दीय फसले बेचने बाजार पहुंचते हैं। इसी तरह बड़े पैमाने पर लाठीकांदा, आलूकांदा, डांगकांदा, केउकांदा, सुरन अर्थात जमीकंद, खरतरिया कांदा, नांगरकांदा, करियाकांदा बेचने के लिए लाई गई है।

पाटसिवनी में उल्लास के साथ मनाया गया छेरछेरा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पाटसिवनी (पिपरहट्ठा)

छत्तीसगढ़ की समृद्ध लोक संस्कृति का प्रतीक 'छेरछेरा' पर्व पाटसिवनी और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में बड़े ही हर्षोल्लास और धूमधाम से मनाया गया। दान देने और दान लेने के इस विशेष पर्व पर सुबह से ही गांवों की गलियां उत्सव के रंग में डूबी नजर आईं। पर्व की शुरुआत होते ही बच्चों, युवाओं और बुजुर्गों की टोलियां हाथों में थैले और टोकरियां लेकर घर-घर पहुंचीं। पारंपरिक वेशभूषा में सजी टोलियों ने जब छेरछेरा, माई कोठी के धान ला हेर हेरा का उद्घोष किया, तो पूरा वातावरण लोकगीतों से गुंजायमान हो उठा। इस गीत के माध्यम से अन्न दान की गुहार लगाई जाती है, जिसे ग्रामीण अपनी सामर्थ्य

अनुसार सहर्ष स्वीकार करते हैं।

फसल कटाई के बाद मनाए जाने वाले इस त्यौहार में किसानों के बीच एक अलग ही उत्साह देखने को मिला। किसानों ने अपनी नई फसल (धान), चावल और नकद राशि का उदारतापूर्वक दान किया। मान्यता है कि इस दिन दान करने से घर के अन्न भंडार साल भर भरे रहते हैं और सुख-समृद्धि आती है। हर मोहल्ले और गली में उमड़ी टोलियों ने न केवल दान एकत्र किया, बल्कि आपसी भाईचारे और समरसता का संदेश भी दिया। बच्चों में इस त्यौहार को लेकर विशेष आकर्षण रहा, जो रंग-बिरंगे मुखौटे लगाकर और टोली बनाकर नाचते-गाते घर-घर पहुंच रहे थे। यह पर्व न केवल छत्तीसगढ़ की कृषि परंपरा को दर्शाता है, बल्कि समाज में साझा करने और सहयोग करने की भावना को भी पुख्ता करता है।

भेण्डरी में मंत्री गुरु खुशवंत का हुआ स्वागत ...

नवापारा-भेण्डरी। ग्राम भेंडरी में सतनामी समाज ने मंत्री खुशवंत साहब का भव्य स्वागत किया। यहां मंत्री ने जैतखाम की पूजा अर्चना किया। इस अवसर पर नीलकंठ जांगड़े, जीवनदास डहरिया, चतुर्रम डहरिया, अशोक डहरिया अध्यक्ष, गीतराम डहरिया, धर्म दास मान्ढ़े, समारिन जांगड़े नारद जांगड़े, लोचन मान्ढ़े, मनोज डहरिया ,रामजी जांगड़े, दिनेश जांगड़े, मनीष कोसरे, वरुण जांगडे.मौजूद थे।

कुण्डेल-खुटेरी में छेरछेरा धूमधाम से मनाया गया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| छुईहा/बेलर

छत्तीसगढ़ की समृद्ध सांस्कृतिक परंपरा का प्रतीक 'छेरछेरा' पर्व शनिवार को कुण्डेल, सिर्रीखुर्द, खुटेरी और बीजली सहित पूरे अंचल में अपार उत्साह और उल्लास के साथ मनाया गया। दान और सामाजिक समरसता के इस महापर्व पर गांव की गलियां भक्ति और लोक संगीत से सराबोर रहीं। इस वर्ष छेरछेरा के अवसर पर लोक संस्कृति का अद्भुत नजारा देखने को मिला। गांव के वरिष्ठ नागरिकों और बुजुर्गों ने ढोल, मंजीरा और डफली की थाप पर पारंपरिक लोकगीत सुनाकर नई पीढ़ी को अपनी जड़ों से जोड़ा। संगीत की इन लहरों ने उत्सव के माहौल में चार

चांद लगा दिए, जिसकी हर तरफ सराहना हुई। ग्राम खुटेरी में विशेष चहल-पहल रही, जहां झामु साहू के नेतृत्व में बच्चों, युवाओं और बुजुर्गों की टोली घर-घर जाकर छेरछेरा मांगती नजर आई। छेरछेरा... छेरछेरा, माई कोठी के धान ला हेर हेरा/" के नारों के साथ टोलियों ने दस्तक दी, जिस पर गृहणियों और किसानों ने खुले दिल से धान, चावल और अन्य अनाज दान में दिए।

भैरा में मनाया गया छेरछेरा

मुड़ागांव (कोरासी)। घाट खाल्हे क्षेत्र के ग्राम भैरा में छत्तीसगढ़ का प्रसिद्ध लोक पर्व 'छेरछेरा' पूरे हर्षोल्लास और पारंपरिक श्रद्धा के साथ मनाया गया। दान की महिमा को समर्पित इस पर्व पर ग्रामीणों ने खुले दिल से धान का दान कर सामाजिक परंपरा का निर्वहन किया। छत्तीसगढ़ी संस्कृति में छेरछेरा पर्व को दान का पर्व माना जाता है। इसी परंपरा को आगे बढ़ाते हुए भैरा में बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक की टोलियों ने घर-घर जाकर 'छेरछेरा' की आवाज लगाई। सामूहिक रूप से मनाए गए इस उत्सव में युवाओं की टोली ने विशेष उत्साह दिखाया और लोक गीतों के माध्यम से अन्न दान की गुहार लगाई। इस आयोजन में ग्राम के युवाओं और बच्चों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। पर्व को उल्लासपूर्ण बनाने में मुख्य रूप से नंदकुमार यद्धु, डोंगर सिंग, नरेश, टिकेश, ख़ुमेश, भुगेश यदु एवं रितेश यदु शामिल रहे। इन युवाओं ने टोली बनाकर घर-घर भ्रमण किया और बड़े-बुजुर्गों से आशीर्वाद प्राप्त कर धान का दान एकत्र किया। गांव के बड़े-बुजुर्गों ने बताया कि छेरछेरा का पर्व न केवल फसल कटाई की खुशी मनाने का अवसर है, बल्कि यह अमीर-गरीब के बीच की दूरी को मिटाकर समाज में दानशीलता और प्रेम भाव को बढ़ावा देता है। पूरे दिन गांव में चहल-पहल रही और शाम तक उत्सव का माहौल बना रहा।

कफ सीरप, गांजा के साथ चार आरोपी गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

आरंग थाने की पुलिस ने ओडिशा से तस्करी कर ला रहे 75 सीसी कफ सीरप, एक किलो गांजा के साथ चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने कफ सीरप तथा गांजा तस्करी करने के आरोप में ओडिशा, बरगढ़ निवासी डिलेश्वर मेहर के साथ खमतराई थाना क्षेत्र में रहने वाले लेखू सिन्हा, निखिल सिन्हा तथा योगेश ध्रुव को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने तस्करों को लखौली टोल प्लाजा के पास घेराबंदी कर पकड़ा है।

शराब पीने पैसा नहीं देने पर चाकू से हमला आरोपी गिरफ्तार

धरसींवा थाने की पुलिस ने शराब पीने के लिए पैसा नहीं देने पर चाकू से हमला करने के फरार आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने सागर निषाद की शिकायत पर भनपुरी निवासी तोरण चंद्राकर को गिरफ्तार किया है। उसके एक अन्य साथी देवेंद्र को पुलिस पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है। सागर ने थाने में शिकायत दर्ज कराई थी कि 26 नवंबर को वह अपने दोस्तों के साथ धनेली तालाब में नहाने के लिए गया था।

पेज 9 के शेष...

पथरीली धरती...

से गांव तक पहुंचने के लिए 6 किलोमीटर का सफर दुर्गम जंगलों और पथरीली पगडंडियों से होकर तय करना पड़ता है। वन विभाग द्वारा वर्षों पहले बनाए गए रपट (पुलिया) टूट-फूट चुके हैं। आलम यह है कि राशन लेने के लिए ग्रामीणों को 10 किमी दूर कुल्हाड़ीघाट तक पैदल जाना पड़ता है। गंगाराम नेताम, धनसिंह और प्रमिला कमार सहित कई ग्रामीणों ने दर्जनों बार प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत पक्की सड़क की मांग की, लेकिन आश्वासन के सिवा कुछ नहीं मिला। **10 साल से गायब हैं कमार विकास विभाग के अफसर-** हैरानी की बात यह है कि कमार जनजाति के कल्याण के लिए जिला मुख्यालय गरियाबंद में विशेष कमार परियोजना कार्यालय स्थापित है, लेकिन ग्रामीणों का आरोप है कि पिछले 10 वर्षों में विभाग का एक भी अधिकारी इस गांव की सुध लेने नहीं आया। चुनाव के समय वोट मांगने वाले नेता भी अब यहां नजर नहीं आते। **शिक्षा और खेती की बदहाल स्थिति-** वर्ष 2004-05 में सर्व शिक्षा अभियान के तहत 4.35 लाख की लागत से स्वीकृत स्कूल भवन 20 साल बाद भी अधूरा खड़ा है। वर्तमान में प्राथमिक और मिडिल स्कूल में कुल 34 बच्चे पढ़ रहे हैं, जिन्हें पढ़ाने के लिए शिक्षकों की भारी कमी है। पथरीली जमीन होने के कारण खेतों में पानी नहीं ठहरता। 18 साल पहले बिजली विभाग के मुख्य सचिव ने नलकूप खनन का वादा किया था, जो आज तक पूरा नहीं हुआ। ग्रामीण आज भी बांस के बर्तन बनाकर और उन्हें साप्ताहिक बाजार में बेचकर अपना गुजारा करने को मजबूर हैं। **प्रधानमंत्री आवास योजना से जगी उम्मीद-** गांव में विकास की एकमात्र किरण प्रधानमंत्री आवास योजना है। मोदी सरकार की इस योजना के तहत गांव के सभी परिवारों के लिए पक्के मकान स्वीकृत हुए हैं, जिनका निर्माण कार्य तेजी से चल रहा है। ग्रामीणों ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से मांग की है कि जिस तरह पक्के मकान मिले हैं, उसी तरह गांव को पक्की सड़क, बिजली और सिंचाई की सुविधा भी दी जाए।

सड़क हादसे में मोटर...

है। जबकि घायल को उपचार हेतु अभनपुर स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया है। हाइवा वाहन को जब्त कर लिया गया है। प्रारंभिक जांच में तेज रफ्तार और लापरवाही से वाहन चलाना हादसे का कारण माना जा रहा है। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की विवेचना शुरू कर दी है।

नवापारा में विप्रकुल...

गई। सभी महिलाओं ने यह संकल्प लिया कि वे भविष्य में सामाजिक एवं धार्मिक उत्सवों को आपसी सहयोग, प्रेम और एकता के साथ मनाएंगी।

विप्र भवन में उपस्थित सभी महिलाओं ने भगवान परशुराम जी के समक्ष पूजा-अर्चना कर प्रसाद के साथ संगठन को मजबूत बनाने एवं अपने सामाजिक दायित्वों का निष्ठापूर्वक निर्वहन करने का सामूहिक संकल्प लिया। व नियमावली पर विचार परामर्श दिया। कार्यक्रम सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम के दौरान सामाजिक विषयों पर चर्चा, विचार-विमर्श एवं संगठनात्मक गतिविधियों को आगे बढ़ाने पर भी जोर दिया गया। महिलाओं ने शिक्षा, संस्कार, सामाजिक समरसता और युवा पीढ़ी को सही दिशा देने जैसे विषयों पर अपने विचार साझा किए। कार्यक्रम के अंत में महिला मंडल द्वारा सभी उपस्थित सदस्यों का आभार व्यक्त किया गया। इस आयोजन से विप्रकुल समाज में महिला शक्ति की सक्रिय भूमिका और सामाजिक चेतना का स्पष्ट संदेश देखने को मिला।

अयोध्या की तर्ज...

है। इसकी एक ऐतिहासिक विशेषता यह भी है कि मुगल शासक औरंगजेब के आक्रमण के दौरान यहां स्थापित देवी-देवताओं की मूर्तियों को खंडित किया गया था, जिनके अवशेष आज भी आश्रम में संरक्षित हैं, जो इतिहास की सजीव गवाही देते हैं।

लाखों श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र- गरियाबंद जिले के ग्राम कुटेना (पांडुका क्षेत्र) में स्थित चतुर्भुज सिरकट्टी आश्रम आज लाखों श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र बन चुका है। श्रीराम महोत्सव, मानस संगोष्ठी, गुरु पूर्णिमा जैसे आयोजनों में हजारों श्रद्धालुओं की उपस्थिति इसकी लोकप्रियता और धार्मिक महत्व को दर्शाती है। भव्य शिल्प, ऐतिहासिक आस्था और आध्यात्मिक चेतना का संगम बने इस श्रीरामजानकी मंदिर का लोकार्पण एवं धार्मिक अनुष्ठान निश्चित रूप से छत्तीसगढ़ के धार्मिक इतिहास में स्वर्णिम अध्याय के रूप में दर्ज होगा।

खबर संक्षेप

नगर सहित अंचल मे छेरछेरा पर्व धूमधाम से मनाया गया

फिंगेश्वर। 3 जनवरी को पौष मास के पूर्णिमा के दिन दान का पर्व छेरछेरा नगर सहित अंचल में धूमधाम से मनाया गया। दान देकर पुण्य कमाने की यह प्रवृति छत्तीसगढ़ी संस्कृति से प्राचीन समय से जुड़ा हुआ है।जब जब खरीफ की फसल खेत खलिहानों से होकर घर मे पहुंचती है तो इस खुशी को लेकर एक तिथि में हर साल दान दिया जाता है जिसे छेरछेरा पर्व कहते हैं। इस दान पर्व को बचपन से सिखाई जाती है कि जहां पर दान लेना है वहीं पर आगे चलकर दान करने की प्रवृति बच्चों मे विकसीत हो जो बड़े होकर इस प्रवृति को जीवंत बनाए रखे। इस पर्व को लेकर नगर की गलियों मे बच्चों ने झोला पकड़कर वार्डो की गलियों मे छेरछेरा का नारा लगाते हुए घर- घर पहुंचे जहां पर लोगों ने पूरी भक्ति एवं श्रद्धापूर्वक बच्चों को रूप्या, पैसा, चावल एवं धान का दान किया। बच्चों से लेकर बड़ों तक ने घर -घर जाकर छेरछेरा की आवाज बुलंद कर दान ग्रहण किया।

रबी फसल की तैयारी में जुटे किसान

राजिम। खरीफ धान फसल की कटाई मिंजाई के बाद ग्रीष्मकालीन रबी फसल की तैयारी कर रहे है। किसान जीतराम मिरी, रामकुमार मिरी, धनंजय, विष्णु मन्नाडे, देवानंद मन्नाडे, ईश्वर मिरी, हीराधर साहू, संजय साहू, दुष्यंत पटेल, त्रिलोचन साहू, भारत मिरी ने बताया कि अपने स्वंय के सिंचाई साधनों से धान की फसल लेते आ रहे है।

आसमान में बादलों का डेरा, बारिश की आशंका से धान केंद्रों में अलर्ट

मैनपुर। मैनपुर नगर सहित क्षेत्र में आसमान में बदली छाए रहने से सूरज की लुकाछुपी जारी रहा है। आज सूरज की ताप कम थी दिनभर ठंडी हवा चलने से मैनपुर क्षेत्र के लोग कंपकपाते रहे। कड़ाके के ठंड ने फिर एक बार दस्तक दे दिया है। मौसम ने अचानक मिजाज बदल ली है आज रविवार को सुबह से सुरज की लुका छीपी चलती रही तापमान में गिरावट के कारण ठंड़ का एहसास कम हो गया है मौसम विभाग का अनुमान है कि एक दो दिन में बूंदा बांदी भी हो सकती है हांलाकि वनांचल क्षेत्र में पारा गिरने के कारण ठिठुरन महसुस की जा रही है, पश्चिमी विक्षोभ उत्तर-पश्चिम के साथ चक्रावाती सिस्टम सक्रिय है जिसके साथ एक द्रोणिका बन रहा है, जिससे मौसम में बदलाव हुआ है आसमान में बदली छाई हुई मौसम अचानक बदलने से इसका असर लोगों के स्वास्थ्य पर पड़ रहा है। वहीं दूसरी ओर धान खरीदी केन्द्र में अचानक बारिश से बचने के लिए त्रिपाल व अन्य सुरक्षा में जुट गए है।

नर्रा में उर्स कल

नर्रा। ग्राम नर्रा में प्रति वर्ष कह भांति इस बार भी हजरत सैय्यद शहीद महमूद अलीशा (रअ) पानीपत नर्रा शरीफ का उर्स 6 जनवरी को आयोजित किया जाएगा। इसके बाद नमाज असर लगभग शाम 4.30 बजे जुलूस निकाल कर गांव के मुख्य मार्गों से होते हुए मजार में परचम कुशाई कर संदल शरीफ और चादरपोशी की जाएगी।

समारोह : बनगंवा में विधायक रोहित ने दी 10 लाख रुपए के सामुदायिक भवन की सौगात

डबल इंजन सरकार में हो रहा है चहुंओर विकास कार्य : विधायक

हरिभूमि न्यूज ⏭ फिंगेश्वर

राजिम विधानसभा क्षेत्र के विधायक रोहित साहू रविवार को वनांचल ग्राम पंचायत गुण्डरदेही के आश्रित ग्राम बनगंवा पहुंचे। यहां आयोजित भव्य मड़ई मेले और सम्मान समारोह में उन्होंने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। ग्रामीणों ने गाजे-बाजे और आत्मीय स्वागत के साथ विधायक की अगवानी की, जिससे पूरे क्षेत्र में उत्सव का माहौल बना रहा। ग्रामीणों की लंबे समय से चली आ रही मांग का सम्मान करते हुए विधायक रोहित साहू ने ग्राम बनगंवा में नवीन सामुदायिक भवन के निर्माण के लिए 10 लाख रुपए की घोषणा की। इस घोषणा से ग्रामीणों में हर्ष की लहर दौड़ गई। ग्राम विकास समिति और स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने विधायक को स्मृति चिन्ह भेंट कर उनका अभिनंदन किया। जनसभा को संबोधित करते हुए विधायक रोहित साहू ने कहा की गांव का विकास ही मेरी सर्वोच्च प्राथमिकता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व वाली डबल इंजन सरकार में विकास की धारा हर घर तक पहुंच रही है। उन्होंने सरकार की प्रमुख उपलब्धियों को गिनाते हुए कहा की माताओं को प्रतिमाह 1000 की आर्थिक सहायता मिल रही है। किसानों से 3100 प्रति क्विंटल की दर से धान की खरीदी कर उन्हें समृद्ध बनाया जा रहा है। 18 लाख नए आवासों की स्वीकृति से गरीबों का पक्के घर का सपना पूरा हो रहा है।

सीधा संवाद और समस्याओं का समाधान

मड़ई मेले के दौरान विधायक ने ग्रामीणों से सीधा संवाद किया और उनकी स्थानीय समस्याओं को सुना। उन्होंने स्वास्थ्य, शिक्षा और सड़क जैसे बुनियादी ढांचों के विकास के लिए प्रतिबद्धता जताते हुए अधिकारियों को समस्याओं के त्वरित निराकरण के निर्देश दिए। इस अवसर पर जिला पंचायत सभापति नंदनी कोमल डीढी, फणीकेश्वर नाथ महाविद्यालय के अध्यक्ष राजू साहू, जनपद सदस्य देवनाथ माधुरी, सरपंच ज्योति जीतू बघेल, कृषलाल साहू, रोशन साहू, गोलू साहू, रवि बघेल, बसंत साहू, मुकेश, आनंद साहू, वीरेंद्र साहू, प्रकाश साहू और रूपेश साहू सहित बड़ी संख्या में आसपास के ग्रामीण उपस्थित थे।

मक्का खरीदी और धान टोकन को लेकर आक्रोश, 6 को चक्काजाम

हरिभूमि न्यूज ⏭ मैनपुर

गरियाबंद जिले के आदिवासी बहुल मैनपुर ब्लॉक में किसानों की समस्याओं का समाधान न होने से आक्रोश बढ़ता जा रहा है। समर्थन मूल्य पर मक्का खरीदी शुरू न होने और वन अधिकार पट्टा धारक किसानों के धान का टोकन जारी न होने के विरोध में किसानों ने 06 जनवरी (मंगलवार) को नेशनल हाईवे 130 सी (झरियाबाहरा) में अनिश्चितकालीन चक्काजाम करने का ऐलान किया है। क्षेत्र के हजारों हेक्टेयर में मक्के की बंपर फसल हुई है, लेकिन सरकारी स्तर पर खरीदी केंद्र अब तक शुरू नहीं किए गए हैं। इसका सीधा फायदा बिचौलिए उठा रहे हैं। किसान अपनी उपज को औने-पौने दाम पर बेचने को मजबूर हैं, जिससे उन्हें भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। सिर्फ मक्का ही नहीं, बल्कि वन अधिकार पट्टा प्राप्त किसानों को भी भारी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। इन किसानों का धान खरीदी हेतु टोकन जारी नहीं हो पा रहा है। किसानों का कहना है कि वे स्थानीय अधिकारियों से लेकर शासन-प्रशासन तक कई बार गुहार लगा चुके हैं, लेकिन उनकी जायज मांगों पर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है।

चक्काजाम को सफल बनाने के लिए किसान संघर्ष समिति के नेता गांव-गांव जाकर बैठकें कर रहे हैं। 31 दिसंबर को मैनपुर में निकाली गई रैली के बाद अब किसान सीधे आर-पार की लड़ाई के मूड में हैं। जनपद सदस्य सुकचंद ध्रुव, किसान संघर्ष समिति अध्यक्ष टीकम कपिल, सरपंच दीनाचंद मरकाम (राजापड़ाव गौरगांव), सियाराम ठाकुर, सरपंच मुकेश कपिल और महिला कांग्रेस अध्यक्ष प्रियंका कपिल ने साझा रूप से कहा कि इस आंदोलन की पूरी जिम्मेदारी शासन-प्रशासन की होगी।

पीएम जनमन योजना से मोहन सोरी को मिला पक्का आशियाना

हरिभूमि न्यूज ⏭ मैनपुर

एक इंसान का सबसे बड़ा सपना उसका अपना पक्का घर होता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 'पीएम जनमन योजना' और मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के सुशासन में छत्तीसगढ़ के दूरस्थ वनांचलों में यह सपना अब हकीकत में बदल रहा है। विशेष रूप से पिछड़ी कमार जनजाति के परिवारों के लिए यह योजना किसी वरदान से कम साबित नहीं हो रही है। तहसील मुख्यालय मैनपुर से 16 किमी दूर बिहड़ जंगलों में बसे ग्राम पंचायत कुल्हाड़ीघाट के आश्रित ग्राम कठवा के निवासी मोहन सोरी की कहानी आज पूरे क्षेत्र के लिए प्रेरणा बन गई है। मोहन और उनकी पत्नी अनिता सोरी पहले एक कच्ची झोपड़ी में रहने को मजबूर थे। उन्होंने बताया कि बारिश के दिनों में छत टपकने और घने जंगल के बीच जहरीले जीव-जंतुओं का हमेशा डर बना रहता था।

2 लाख की स्वीकृति से बना सपनों का महल- पीएम जनमन योजना के तहत मोहन सोरी को आवास निर्माण के लिए 2 लाख रुपये की राशि स्वीकृत हुई। आज उसी स्थान पर एक खूबसूरत पक्का मकान खड़ा है, जिसकी रौनकता पूरे कठवा गांव में देखते ही बनती है। मोहन ने न केवल पक्का घर बनाया, बल्कि अपने स्तर पर घर के सामने फ्लोरिंग भी कराई है। घर के पास ही उनकी छोटी सी बाड़ी है, जहां वे ताजी साग-सब्जियां उगाते हैं। पक्के घर की छत के नीचे सुकून की जिंदगी जी रहे मोहन सोरी और उनका परिवार अब काफी खुश है। उन्होंने भावुक होते हुए कहा, /"अब बारिश में भीगने या सांप-बिच्छू का डर नहीं सताता। हमारा पक्के घर का सपना पूरा हो गया है। इसके लिए उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और गरियाबंद कलेक्टर भगवान सिंह उईके के प्रति हृदय से आभार व्यक्त किया है।

निगरानी की जरूरत, पर बदल रही तस्वीर- ज्ञात हो कि पीएम जनमन योजना के तहत विशेष पिछड़ी जनजाति समूहों के उत्थान के लिए सरकार करोड़ों रुपये खर्च कर रही है। हालांकि, क्षेत्र के कुछ स्थानों पर निर्माण कार्य की गति धीमी है, जहाँ बेहतर मॉनिटरिंग की आवश्यकता महसूस की जा रही है। बावजूद इसके, मोहन सोरी जैसे कई ग्रामीणों के पक्के घर बनकर तैयार हो चुके हैं, जो वनांचल में बदलते जीवनस्तर की गवाही दे रहे हैं।

विधायक साहू की पहल पर कंडरा आदिवासी समाज भवन के लिए 25 लाख रुपए मंजूर

हरिभूमि न्यूज ⏭ राजिम/छुईहा-बेलर

कड़रा आदिवासी समाज के सामाजिक विकास और संगठनात्मक मजबूती की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए विधायक रोहित साहू ने समाज के सामुदायिक भवन निर्माण के लिए 25 लाख रुपए की राशि स्वीकृत की है। इस घोषणा के बाद समाज के लोगों में खुशी की लहर दौड़ गई है। बता दें कि सामुदायिक भवन की स्वीकृति से समाज को सामाजिक, सांस्कृतिक एवं पारिवारिक कार्यक्रमों के आयोजन के लिए एक स्थायी और सुसज्जित स्थान उपलब्ध हो सकेगा। वर्षों से चली आ रही समाज की इस मांग को पूरा करने पर कड़रा आदिवासी समाज के लोगों ने विधायक रोहित साहू के प्रति आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर समाज के वरिष्ठजनों, युवाओं एवं महिलाओं ने कहा कि विधायक लगातार क्षेत्र के सभी वर्गों के विकास के लिए संवेदनशीलता और प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रहे हैं। समाज के प्रतिनिधियों ने इसे आदिवासी समाज के सम्मान और सशक्तिकरण की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम बताया। विधायक रोहित साहू ने कहा कि आदिवासी समाज की सामाजिक एकता और परंपराओं को सहेजने के लिए सामुदायिक भवन अत्यंत आवश्यक है। कड़रा आदिवासी समाज के अध्यक्ष विजय कड़रा ने कहा कि सामुदायिक भवन के लिए 25 लाख रुपए की स्वीकृति हमारे समाज के लिए गर्व का विषय है। यह भवन समाज की एकता और पहचान को मजबूती देगा।

विधायक निवास पहुंचकर समाज के लोगों ने किया सम्मान- भवन निर्माण की राशि स्वीकृत करने पर कंडरा आदिवासी समाज के समाज प्रमुखों एवं पदाधिकारियों ने विधायक निवास पहुंचकर विधायक रोहित साहू से सौजन्य भेंट की। इस अवसर पर समाज की ओर से विधायक को गुलदस्ता, शाल एवं श्रीफल भेंट कर आभार व्यक्त किया गया। इस दौरान कंडरा आदिवासी समाज राजिम राज के अध्यक्ष विजय कंडरा, टीकम कटियारा, भीम कंडरा, सत्यप्रकाश कंडरा, लोकेश कंडरा, कैलाश कंडरा, कौशल कंडरा, बाबूलाल कंडरा, रामकुमार कंडरा, रवि कंडरा, शिवकुमार कंडरा सहित समाज के अन्य सामाजिक पदाधिकारी एवं गणमान्यजन उपस्थित रहे। समाजजनों ने कहा कि सामुदायिक भवन के निर्माण से समाज की सामाजिक बैठकों, सांस्कृतिक कार्यक्रमों, पारंपरिक आयोजनों एवं विकासात्मक गतिविधियों को सुदृढ़ आधार मिलेगा।

जिला पंचायत अध्यक्ष ने किया सीसी सड़क और शेड निर्माण का भूमिपूजन

हरिभूमि न्यूज ⏭ मैनपुर

विकासखंड मैनपुर के अंतर्गत गौ सेवा केन्द्र कांडसर आश्रम में जिला पंचायत विकास निधि से बनने वाले सीसी सड़क सह शेड निर्माण का मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष गौरीशंकर कश्यप के मुख्य आतिथ्य एवं कांडसर आश्रम के प्रमुख बाबा उदयनाथ कर कमलों से भूमिपूजन कार्यक्रम विधिवत संपन्न हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष गौरीशंकर कश्यप ने कहा कि गौ सेवा विकास और सनातन मूल्यों के प्रति हमारी प्रतिबद्धता हमेंशा प्रबल होनी चाहिए गौ माता की सेवा के दिशा में आज सीसी सड़क एवं शेड निर्माण का बाबा उदयनाथ जी के आशिर्वाद से प्रमुख जनों की उपस्थिति में भूमिपूजन किया गया है। सीसी सड़क व शेड निर्माण से यहां आने वाले गौ भक्तों को गौ सेवा में लाभ मिलेगा। इस अवसर पर ग्राम पंचायत सरपंच यशवंत मरकाम, भैसमुड़ी सरपंच गोरेलाल, सरनाबहाल सरपंच हेमंत नागेश, कांदाडोंगर मंडल महामंत्री दिनेश नागेश सहित ग्रामीण व गौ भक्त बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

रसेला गायत्री महायज्ञ, समीक्षा बैठक में प्रस्तुत हुआ 10.74 लाख रुपए का आय-व्यय ब्यौरा

हरिभूमि न्यूज ⏭ रसेला

ग्राम रसेला में गायत्री मंदिर में 4 जनवरी को 24 कुण्डीय गायत्री महायज्ञ के आयोजन के बाद, आय और व्यय का विस्तृत ब्यौरा समीक्षा बैठक में गायत्री परिवार के सदस्यों द्वारा पढ़कर सुनाया गया। जिसमें कुल आय राशि 10,74,766 रूपए और कुल व्यय राशि 10,17,658 रूपए हुआ है शेष राशि 57,108 हजार रुपए है। इसमें वे सभी स्त्रोत शामिल हैं जहां से आयोजन के लिए धन या सामग्री प्राप्त हुई है। इस कार्यक्रम में यज्ञ सामग्री : हवन सामग्री, लकड़ी, घी, आदि का खर्च। भोजन/ भंडारा : श्रद्धालुओं के लिए भोजन व्यवस्था का खर्च और पंडाल व व्यवस्था टेंट, लाइट, साउंड सिस्टम, बैठने की व्यवस्था का किराया साथ ही शांतिकुंज हरिद्वार से पधारे प्रतिनिधियों और अतिथियों ठहरने व आने जाने का खर्च के साथ बिजली, पानी, सफाई आदि पर व्यय हुआ। समीक्षा बैठक में जनपद सदस्य सुखराम ठाकुर, ग्राम पटेल लोकराम यादव, उपसरपंच परमेश्वर यादव, ग्राम प्रमुख डी आर यादव, संतराम नेताम, जगतराम यादव,रामअवतार यादव , रोमन चन्द्राकार, सेवक राम साहू, केजूराम ध्रुव शिवशंकर जयसवाल सहित सभी गायत्री परिजनों की उपस्थिति रही। समीक्षा बैठक में ग्राम पटेल लोकराम यादव ने कहा 9 दिसंबर से 12 दिसंबर तक 24 कुण्डीय गायत्री महायज्ञ हमारे ग्राम रसेला में संपन्न हुआ इसके लिए समस्त ग्रामवासी के तरफ से आप सभी को दिल से आभार व्यक्त करता हूं और हमारे तरफ से कुछ भी भुलचुक हुआ होगा इसके लिए क्षमा प्रार्थी है। सभा को संबोधित करते हुए डी आर यादव ने कहा यज्ञ सफलतापूर्वक संपन्न हुआ इसके लिए समस्त ग्रामवासी, क्षेत्र वासियों और गायत्री परिवार और भाग लेने वाले सभी भक्तों का धन्यवाद किया गया। इस अवसर पर तिजऊ राम साहू, पुरूषोत्तम यादव, तुलसी राम साहू, भुनेश्वर, देवनंद, राम खिलावन, नंदू दास, देवलाल बारिक, यशराम यादव, ईश्वर यादव, धनीराम यादव, शंकर कुर्रे, दिव्यानंद यादव, भूषण साहू, कृष्णा चक्रधारी, खेमसिंह ताण्डी , राघवेन्द्र यादव, ओमप्रकाश यादव, चन्द्रकला यादव, अन्नपूर्णा यादव, श्यामा ठाकुर, दुलम यादव,दुलसिया, तुलसी देवांगन, कुमारी पटेल सहित समस्त गायत्री परिजन और ग्रामवासी और आस-पास क्षेत्र के ग्रामीण उपस्थित थे।

आचार्य युवराज पांडे ने किया माता की महिमा का बखान

भीषण अकाल के समय मानव जाति के कल्याण के लिए हुआ माता शाकंभरी का अवतरण : पांडे

हरिभूमि न्यूज ⏭ मुड़ागांव (कोरासी)

शाकंभरी मरार समाज छुरा परिक्षेत्र द्वारा ग्राम लोहझर स्थित शाकंभरी सिद्ध शक्तिपीठ में प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी शाकंभरी नवरात्रि महोत्सव का आयोजन अत्यंत श्रद्धा और उल्लास के साथ संपन्न हुआ। नौ दिनों तक चले इस महोत्सव में शक्ति की भक्ति के साथ-साथ समाज सुधार और सेवा के विभिन्न आयाम देखने को मिले। पंचमी पूजन के विशेष अवसर पर राष्ट्रीय कथावाचक आचार्य पंडित युवराज पांडे का आगमन हुआ। उन्होंने माता शाकंभरी के प्राकट्य की कथा सुनाते हुए कहा कि भीषण अकाल के समय मानव जाति के कल्याण हेतु माता का अवतरण हुआ। उनके हजार नेत्रों से बहे आंसुओं के कारण उन्हें 'शताक्षी' भी कहा जाता है। उन्होंने वेदों के माध्यम से कर्म और धर्म की श्रेष्ठता पर प्रकाश डालते हुए 'नीर-क्षीर विवेकी' बनने और षोडश संस्कारों के पालन का संदेश दिया। जसगीत प्रतियोगिता में जय मां शीतला जस परिवार पलेमा प्रथम रहा। महोत्सव के दौरान छत्तीसगढ़ की प्रसिद्ध भजन मंडलियों के बीच जसगीत प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें झांकियों के माध्यम से धार्मिक प्रसंगों की जीवंत प्रस्तुति दी गई। प्रथम स्थान जय मां शीतला जस परिवार, पलेमा (5000/- एवं शील्ड), द्वितीय स्थान स्वर माला जगराता ग्रुप, देवगांव (3000/- एवं शील्ड) तृतीय स्थान सुर सरगम जस परिवार, बोरसी (2000/- एवं शील्ड) निर्णायक की भूमिका नवाचारी शिक्षक शंकर लाल यदु, अर्जुन धनंजय सिन्हा, भीखम पटेल सहित अन्य साथियों ने निभाई।

रक्तदान महादान और साग-सब्जी का वितरण

इस वर्ष का आयोजन केवल आध्यात्मिक ही नहीं, बल्कि सामाजिक सरोकारों से भी जुड़ा रहा। समाज के युवाओं (रक्त वीरों) ने बढ़-चढ़कर रक्तदान किया। छेरछेरा पर्व के उपलक्ष्य में बड़े पैमाने पर निःशुल्क साग-सब्जी का वितरण किया गया। प्रतिदिन हजारों श्रद्धालुओं के लिए भोजन प्रसादी की व्यवस्था की गई। समाज के संयोजक नारायण पटेल ने स्वजातिजनों से शाकाहार अपनाने और समाज को व्यसन मुक्त (नशा मुक्त) बनाने का आह्वान किया। अध्यक्ष कृष्ण कुमार पटेल ने आयोजन की सफलता के लिए सभी राजों से आए स्वजनों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने भंडारे के सुव्यवस्थित संचालन के लिए संरक्षक हेमू पटेल और उनकी टीम की सराहना की। कार्यक्रम का सफल संचालन व्याख्याता हेमलाल पटेल एवं प्रधानपाठक नोहर पटेल ने किया। आयोजन को सफल बनाने में सचिव योगेश पटेल, उपाध्यक्ष थूकेल पटेल, कोषाध्यक्ष धनीराम, अंकेक्षक वेदराम पटेल, संरक्षक जीवन पटेल, संतोष पटेल, सतीश पटेल सहित समस्त पदाधिकारियों एवं मातृशक्ति का विशेष योगदान रहा। क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों ने भी मंदिर पहुंचकर माता का आशीर्वाद लिया।

खबर संक्षेप

अंचल में धूमधाम से मनाया गया छेरछेरा पर्व

पाटसिवनी (पिपरहट्टा)। ग्रामीण अंचल के गांव पाटसिवनी, परसदाखुर्द, पिपरहट्टा, जामली, अमलोर, देवगांव सहित अन्य गांव में शनिवार को छत्तीसगढ़ का पारंपरिक त्यौहार छेरछेरा धूमधाम से मनाया गया। पर्व को लेकर इस वर्ष बड़े बुजुर्गों के अलावा खास कर बच्चों एवं लड़कियों में भी काफी उत्साह देखने को मिला। ग्रामीण क्षेत्रों में इस त्यौहार को बड़े धूमधाम से उत्साह पूर्वक मनाते हैं। इस दिन बच्चों से लेकर बड़े बुजुर्ग घर-घर जाकर छेरछेरा के रुप में धान मांगते हैं। लोग छेरछेरा के रुप में धान के साथ यथासंभव रुपए तथा चॉकलेट, घरों में बनाए पकवान भी देते हैं। यह पर्व फसल मिसाई के बाद खुशी मनाने से संबंधित है। पर्व में अमीरी गरीबी के भेदभाव से दूर एक-दूसरे के घर जाकर छेरछेरा मांगते हुए कहते हैं छेरछेरा माई कोठी के धान ल हेरहेरा। मान्यता है कि धान के कुछ हिस्से को दान करने से अगले वर्ष अच्छी फसल होती है। इसलिए इस दिन किसान अपने दरवाजे पर आए किसी भी व्यक्ति को निराश नहीं करते। छत्तीसगढ़ में प्राचीनकाल से छेरछेरा पर्व की संस्कृति का निर्वहन होते आ रहा है। दिनभर अंचल में छेरछेरा के कारण एक ओर जहां बच्चों की टोली छेरछेरा मांगते दिखे। वहीं दूसरी ओर ग्रामीण भी उत्साह के साथ इस पर्व को मनाते देखे गए।

बड़गांव में श्रीमद भागवत महापुराण ज्ञान यज्ञ कथा 7 से

बिरकोनी। ग्राम बड़गांव में 7 जनवरी से 14 जनवरी तक श्रीमद भागवत महापुराण ज्ञान यज्ञ कथा का आयोजन स्वर्गीय जुगरु सुंदरबाई चक्रधारी, बहुर चक्रधारी, लोकेश्वर चक्रधारी, कुमारू चक्रधारी की स्मृति में किया जाएगा। कथावाचक पंडित लक्ष्मीनारायण महाराज श्रीराम जानकी मंदिर बिरकोनी वाले, यज्ञाचार्य पंडित देवेंद्र महाराज ब्रम्हचर्य विद्यापीठ राजिम वाले होंगे। 7 को जल यात्रा, देवप्रतिष्ठा, गौकर्ण पूजा एवं कथा प्रारंभ, 8 को राजा परीक्षित जन्म, कपिल देव एवं ध्रुव चरित्र, 9 को गजेंद्र मोक्ष, भगवान नरसिंग नाथ अवतार, 10 को वामन अवतार, श्रीराम कृष्ण अवतार एवं महाप्रसादी वितरण होगा।

निधन

मनेंद्र साहू

मुड़ागांव(कोरासी)। ग्राम खड़मा निवासी मनेंद्र साहू का निधन रविवार को हो गया। उनका अंतिम संस्कार गांव के मुक्तिधाम में किया गया। अंतिम यात्रा में गांव के गणमान्य नागरिक शामिल हुए। वे प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र खड़मा में वाड ब्वाय के पद पर पदस्थ थे।

आयोजन : रजकट्टी में आयोजित मड़ई मेला कार्यक्रम में शामिल हुए महासमुंद पालिकाध्यक्ष

मड़ई मेला छत्तीसगढ़ के समृद्ध परंपरा का प्रतीक: निखिलकांत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| राजिम

राजिम क्षेत्र के रजकट्टी गांव में आयोजित पारंपरिक मड़ई मेला का आयोजन श्रद्धा, उत्साह और सांस्कृतिक उल्लास के साथ संपन्न हुआ। मड़ई मेला में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे महासमुंद पालिका अध्यक्ष निखिलकांत साहू ने ग्रामीणों को इसे छत्तीसगढ़ की समृद्ध लोकसंस्कृति और परंपराओं से जुड़ा महत्वपूर्ण आयोजन बताया। निखिलकांत साहू ने कहा कि मड़ई मेला हमारी समृद्ध परंपरा का प्रतीक है। छत्तीसगढ़ में फसल कटाई के बाद मड़ई मनाए जाने की परम्परा है। हमारे प्रदेश की अर्थ व्यवस्था कृषि आधारित है। किसानी काम से निवृत होकर खुशियां मनाने का यह प्रमुख माध्यम है। आज आधुनिकता के युग में भी ऐसे आयोजन हमारी समृद्ध परंपरा को जीवंत बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। मड़ई केवल एक उत्सव नहीं, बल्कि छत्तीसगढ़ की ग्रामीण संस्कृति, लोक आस्था और सामाजिक एकता का प्रतीक है। ऐसे आयोजनों से हमारी परंपराएं जीवित रहती हैं और नई पीढ़ी को अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जुड़ने का अवसर मिलता है। उन्होंने मंच से ग्रामीण विकास और जनकल्याण से जुड़े मुद्दों पर भी अपनी बात रखी। कहा कि क्षेत्र के सर्वांगीण विकास के लिए सभी वर्गों का सहयोग आवश्यक होता है। मड़ई मेला के अवसर पर पारंपरिक नृत्य, लोकगीत, देवी-देवताओं की पूजा-अर्चना एवं ग्रामीण मेल-मिलाप का सुंदर दृश्य देखने को मिला। आसपास के गांवों से बड़ी संख्या में ग्रामीण मेला देखने पहुंचे, जिससे पूरे क्षेत्र में उत्सव का माहौल बना रहा। कार्यक्रम के प्रारंभ में ग्रामवासियों और आयोजन समिति द्वारा मुख्य अतिथि पालिका अध्यक्ष निखिलकांत साहू का पारंपरिक तरीके से स्वागत एवं सम्मान किया गया। ग्रामीणों ने मड़ई मेला में सहभागिता और प्रेरणादायी उदबोधन के लिए उनका आभार व्यक्त किया। मड़ई मेला के सफल आयोजन से रजकट्टी गांव में सांस्कृतिक चेतना और सामाजिक सौहार्द्र का संदेश देखने को मिला।

कार्यक्रम में ये थे उपस्थित

इस अवसर पर प्रमुख रूप से नंदिनी-कोमल ढीढी सभापति जिला पंचायत गरियाबंद, इंद्रजीत महाड़िक जिला पंचायत सदस्य, हरीश साहू अध्यक्ष सरपंच संघ, ललित साहू, कुंजन साहू संरक्षक जिला साहू संघ, युधिष्ठिर साहू सरपंच रजकट्टी, भारती साहू उपसरपंच, गजाधर साहू, मनोज साहू, सगनी साहू ,सहदेव ध्रुव, केशव सेन, मुकुल ध्रुव, भागवत साहू, लिखेश्वर नेताम, रूपेश सेन, रोमन ध्रुव, कबीलास साहू, संतोष साहू, रंजनीश शुक्ला, जगदेव साहू, जीवराखन साहू, गेंद यादव, रोहित साहू, रतन ध्रुव, नंदकुमार ध्रुव, गोविंद विश्वकर्मा सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण युवा, बुजुर्ग, माताएं बहने मौजूद रहे।

सहकारी संघ के जिलाध्यक्ष, प्रबंधक समेत पूर्व सैनिकों और शिक्षकों का हुआ सम्मान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बागबाहरा

पौष पूर्णिमा मड़ई-मेला महोत्सव एवं लोक पर्व छेरछेरा के वृहद मंच पर ग्राम एमकेबाहरा में सहकारी समिति कर्मचारी संघ कि जिलाध्यक्ष एवं ग्रामीण सेवा सहकारी समिति चरौदा के प्रबंधक जयप्रकाश साहू का उनके किए उत्कृष्ट कार्यों, किसानों के निःस्वार्थ सहयोग एवं समितियों में चलाई गई विभिन्न अनुकरणीय पहल के लिए सम्मान समारोह का आयोजन हुआ।

जिलाध्यक्ष जयप्रकाश साहू द्वारा हरसंभव क्षेत्र के किसानों को सरकार के महत्वाकांक्षी योजनाओं से लाभान्वित कराने के साथ ही पर्यावरण व जनहित के अनेक कार्यों में नवाचार व अनुकरणीय पहल के कार्यों में लोकहित पर सहयोगात्मक भावना बना के रखता है। समूचे कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भाजपा जिलाध्यक्ष येतराम साहू थे। अध्यक्षता जयप्रकाश साहू जिलाध्यक्ष सहकारी समिति कर्मचारी संघ, अतिविशिष्ट अतिथि भाजपा जिला महामंत्री थानसिंग दीवान, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य पंकज चंद्राकर, सहकारी समिति चरौदा के अध्यक्ष भुवन लाल साहू, जिला भाजपा मीडिया प्रभारी आनंद साहू, पूर्व सरपंच कमलनारायण साहू थे।

बता दें कि सर्वप्रथम अतिथियों ने भारत माता के छायाचित्र में दीप प्रज्ज्लवन कर छेरछेरा मड़ई मेला महोत्सव का उद्घाटन किया। इस दौरान मुख्य अतिथि येतराम साहू ने अपने उद्बोधन में कहा कि दानशीलता और अभिमान त्याग का प्रतीक छेरछेरा के इस पर्व को ग्राम एमकेबाहरा में बचपन से देखते आया हूं। सामाजिक समरस्ता का का यह पर्व छेरछेरा में दान का विशेष महत्व होता है। अपनी मेहनत से उपजाए धान आदि का दान देकर किसान पुण्य का भागीदारी होता है। वहीं मड़ई महोत्सव को भाजपा नेता थान सिंग दीवान, सोसायटी अध्यक्ष भुवन साहू ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम का संचालन ग्राम प्रमुख देवक राम साहू एवं अतिथियों का आभार लाला साहू ने किया। कार्यक्रम में प्रमुख रूप ग्राम प्रमुख देवकराम साहू, गुणनिधि पटेल, ब्रम्हकुमार झगेस साहू, भुखन लाल, संतराम पटेल, रामनारायण साहू, लाला खिलेश साहू, नीलकंठ पटेल, भेखलाल साहू, देलूराम चंद्राकर, तिलक राम साहू, पूरन ध्रुव, ओमप्रकाश साहू आदि उपस्थित रहे।

युवतियों ने घर-घर जाकर मांगा दान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| छुईहा बेलर

अंचल सहित ग्राम देवगांव और चरभट्ठी में शनिवार को छत्तीसगढ़ का लोक पर्व 'छेरछेरा' हर्षोल्लास और पारंपरिक श्रद्धा के साथ मनाया गया। फसल कटाई के बाद आने वाले दान के इस महापर्व पर सुबह से ही गांवों में उत्सव का माहौल रहा। इस वर्ष पर्व की खास रौनक देवगांव की युवतियों की टोलियों में देखने को मिली। सुबह होते ही सिद्धांत साहू, हुलसी साहू, नीतू साहू, लिसा साहू, निधि साहू, चेनी साहू, रंजना साहू, विभा साहू, पोसिन साहू, चेमिन साहू, हेमिन साहू, मनीषा साहू, दुर्गा साहू और माधुरी साहू सहित अन्य युवतियां हाथों में थैला, चुमड़ी और बोरी लेकर घर-घर दान मांगने निकलीं।

परंपरा के प्रति ग्रामीणों का उत्साह देखते ही बनता था। लोग अपने घरों के सामने बैठकर टोलियों का इंतजार करते नजर आए। जैसे ही टोलियां पहुंचीं, किसानों और गृहणियों ने छेरछेरा, माई कोठी के धान ला हेर हेरा के उद्घोष के बीच खुशी-खुशी धान और नगद राशि दान की।

युवतियों ने दान प्राप्त करने के बाद पारंपरिक रूप से किसान परिवारों की खुशहाली, सुख-शांति और बेहतर फसल की कामना की। बुजुर्गों ने बताया कि छेरछेरा का पर्व नई पीढ़ी को अपनी जड़ों से जोड़ने और दानशीलता के संस्कार सिखाने का एक सशक्त माध्यम है। पूरे दिन गांव की गलियां लोक गीतों और बच्चों-युवाओं के शोर से गुलजार रहीं।

हरदी में उत्साह के साथ मनाया गया छेरछेरा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| छुरा

छुरा क्षेत्र सहित ग्राम पंचायत हरदी में छत्तीसगढ़ी संस्कृति का गौरवशाली पर्व 'छेरछेरा' हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। सुबह से ही छोटे बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक में इस त्यौहार को लेकर भारी उत्साह देखा गया। गांवों की गलियों में छेरछेरा, माई कोठी के धान ला हेर-हेरा की गूंज सुनाई देती रही। इस अवसर पर रुपनाथ बंजारे (उप सरपंच हरदी एवं अध्यक्ष उप सरपंच संघ छुरा) ने पर्व के आध्यात्मिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि छेरछेरा सदियों से चली आ रही हमारी वह परंपरा है, जो अमीरी-गरीबी के भेद को मिटाकर सामाजिक समरसता स्थापित करती है। उन्होंने बताया कि

इस त्यौहार की सबसे खास बात यह है कि इसमें किसी देवी-देवता की विशेष पूजा नहीं होती, बल्कि यह पर्व सीधे तौर पर 'दान' और 'कर्म' को समर्पित है। घर का हर पुरुष याचक (मांगने वाला) और हर महिला दानी के रूप में प्रस्तुत होकर नैतिक शिक्षा का अनुपम उदाहरण पेश करते हैं। जहाँ पारंपरिक रूप से महिलाएं दरवाजे पर टोकरी में धान, कोदो और कुटकी लेकर याचक की झोली भरती हैं, वहीं अब इस परंपरा में आधुनिकता का समावेश भी हुआ है। वर्तमान में गाजे-बाजे के साथ समूह में दान मांगा जाता है और एकत्रित राशि का उपयोग गांव के विकास या विशिष्ट पुण्य कार्यों के लिए किया जाता है। कई गांवों में इस अनाज से 'अनाज कोठी' भी बनाई गई है।

छेरछेरा के विशेष व्यंजन का उल्लेख करते हुए बताया गया कि इस दिन नए अनाज के आटे से 'माडा रोटी' बनाई जाती है। भाप विधि (बिना तेल) से बनने वाली इस रोटी के भीतर गुड़, तिल और खोवा का स्वादिष्ट मिश्रण भरा जाता है। हालांकि, बदलते समय के साथ अब लोग अपनी पसंद के अन्य सात्विक व्यंजन भी बनाने लगे हैं। इस पारंपरिक उत्सव को सफल बनाने और रीति-रिवाजों को जीवंत रखने में कन्हैया, लोकेश्वर, मानिक, टायल, संतोष, होमेश्वर, समर, नंदकुमार सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने सक्रिय भागीदारी निभाई। वक्ताओं ने कहा कि यह पर्व हमारी वैभवशाली संस्कृति और इतिहास की याद दिलाता है, जहाँ कर्म को ही सर्वश्रेष्ठ माना गया है।

साहू समाज की आचार संहिता के तहत आदर्श विवाह

हरिभूमि न्यूज ▶▶| राजिम

साहू समाज द्वारा निर्धारित सामाजिक आचार-संहिता नियमावली के अनुच्छेद-8 के अंतर्गत समाज द्वारा प्रदत्त व्यवस्था के अनुरूप सादगीपूर्ण एवं सामाजिक रीति-रिवाज से परिपूर्ण आदर्श विवाह सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर ग्राम खंडवा के वर योगेश साहू एवं ग्राम बेलर की वधु काजल साहू का विवाह परिवारजनों एवं समाजजनों की गरिमामयी उपस्थिति में संपन्न हुआ। विवाह कार्यक्रम अत्यंत सरल, कम खर्चीली तथा समाज को सकारात्मक संदेश देने वाला रहा। विवाह समारोह में साहू समाज राजिम भक्तिन माता समिति के अध्यक्ष लाला साहू की विशेष उपस्थिति रही। साथ ही ग्रामीण साहू समाज खंडवा एवं ग्रामीण साहू समाज बेलर के पदाधिकारीगण भी विशेष रूप से उपस्थित रहे। पंडित हुलास पांडे द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार के साथ विवाह की सभी धार्मिक रस्में संपन्न कराई गईं। विवाह लग्न के अनुसार सर्वप्रथम गौरी-गणेश, कलश एवं नवग्रह पूजन कराया गया, तत्पश्चात विधिवत पूजा-पद्धति से वर-वधू को एक-दूसरे को पति-पत्नी के रूप में स्वीकार कराया गया। वर वधु ने उपस्थित परिजनों एवं समाजजनों से आशीर्वाद प्राप्त किया। वधू पक्ष की ओर से

दादाजी उधो राम साहू, पिताजी राजकुमार साहू, लीलाराम साहू, ग्रामीण साहू समाज बेलर के संरक्षक गोविंद साहू, अध्यक्ष डॉ. लीलाराम साहू, भाई युगल साहू, फूफा पवन साहू, जीजाजी डॉ. टूमन साहू, मामा प्रकाश साहू, चमन साहू, कुमार साहू, प्रेमलाल साहू, संतोष साहू, वर के पिता सोमनाथ साहू, ग्रामीण अध्यक्ष नरेंद्र साहू, सचिव जितेंद्र साहू, रामस्वरूप साहू, नत्थू राम साहू, गजेंद्र वर्मा, कोमल वर्मा एवं पूर्व पार्षद नंदकिशोर शर्मा सहित बड़ी संख्या में परिजन उपस्थित रहे। इस अवसर पर ग्रामीण साहू समाज बेलर के संरक्षक गोविंद साहू एवं साहू समाज राजिम भक्तिन माता समिति के अध्यक्ष लाला साहू ने वर-वधू को समाज एवं परिवार की ओर से आशीर्वाद प्रदान करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने नवदम्पति को जीवनभर एक-दूसरे का साथ निभाने, सुख-शांति एवं समृद्धि से परिपूर्ण वैवाहिक जीवन जीने का आशीर्वाद दिया। यह विवाह समारोह समाज में सादगी, समानता एवं सामाजिक सुधार का प्रेरणादायक उदाहरण बना, जिसकी सभी उपस्थितजनों ने भूरि-भूरि प्रशंसा की।

मड़ेली में धूमधम से मनाया गया छेरछेरा

मुड़ागांव (कोरासी)। ग्राम मड़ेली में प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी छेरछेरा लोक पर्व बड़े ही धूमधाम के साथ मनाया गया। सुबह से ही स्नान कर पूजा कर बच्चे बूढ़े जवान छेरछेरा मांगने निकल पड़े। छेरीक छेरा छेर बरतनिन छेर छेरा माई कोठीक धान ला हेर हेरा यह आवाज गली खोर में गुंजाई देने लगे। लीला मंडली के कलाकारों के द्वारा बाजे गाजे के साथ छेरछेरा दान मांगा गया। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा प्रदत्त भारत माता का फोटो तथा पत्रिका का भी वितरण किया गया। सभी एक जगह एकत्र होकर दान की परंपरा का निर्वहन किया गया। इस कार्यक्रम में ग्राम के बहुत सारे समिति के सदस्यों ने अपने अपने मुहल्ले के गणेश समिति, दुर्गोत्सव समिति,गौरा समिति, लीला समिति, आदि चढ़ोत्तरी धान की वसूली की गई। वहीं बैगा,नाई, रखवार, मोची, कोटवार आदि ने

जेवर वसूले। गांव में इस दिन काफी चहल-पहल रही, बच्चों की टोली घर घर चिल्लाते हुए गली मुहल्लों में भ्रमण कर दान मांगे। नयापारा मुहल्ले में भी गाजे बाजे के साथ छेरछेरा पर्व मनाया। शालिक सिन्हा, भारत ध्रुव, फगनू राम, रमेश ध्रुव, राजू राम, रामखेलावन ध्रुव, भूषण ठाकुर, भीखम ठाकुर, प्रेमनारायण ध्रुव, निर्मल ठाकुर, भोलेनाथ, लोचन ठाकुर, युवराज ठाकुर, बेदराम, नीलाम्बर ध्रुव, रूद्रा ठाकुर आदि उपस्थित थे।

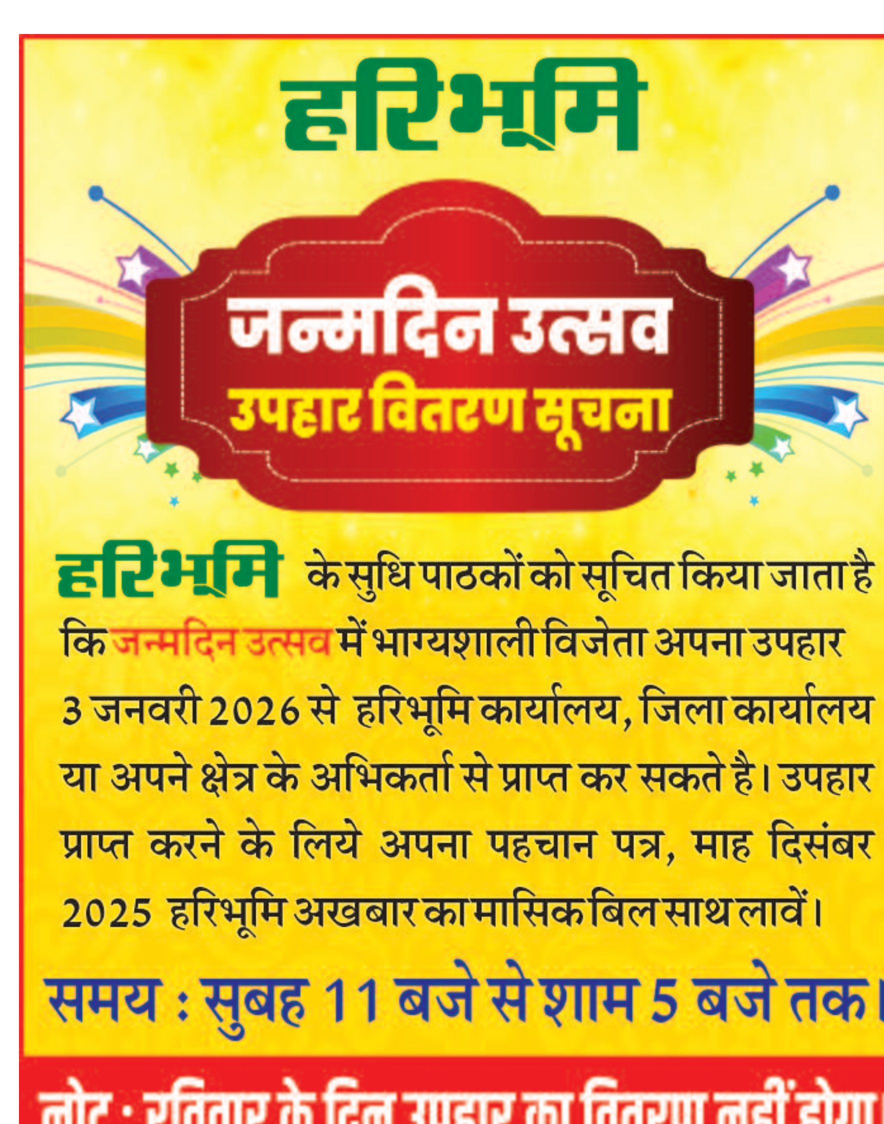

भक्त के जन्म से जगत का होता है उद्धार

अभनपुर। श्रीमद् भागवत कथा के चतुर्थ दिवस नरसिंह अवतार, ध्रुव, भक्त प्रहलाद चरित्र का कथा का विस्तार पूर्वक वर्णन करते हुए कथा वाचक पंडित प्रेम किशोर शर्मा ने कहा कि यदि घर में एक भक्त व्यक्ति जन्म लेता है, तो पूरे कुल का उद्धार कर देते हैं, ठीक उसी तरह से भक्त प्रहलाद हिरण्यकश्य के घर में जन्म लेकर पूरे कुल का उद्धार कर दिया, हिर्नाकश्यप अहंकार में आकर संसार में पाप, अधर्म का कार्य लगातार कर रहे थे, भक्त प्रहलाद के भक्ति से क्रोधित होकर प्रहलाद को हर तरह से मारने का प्रयास किया ,पागल हाथी के सामने छोड़ा गया, पहाड़ के ऊपर ले जाकर ऊंचाई से फेंक देना, नागों के पास छोड़ देना, तथा अंत में होलिका के गोद में लेकर जिंदा जलाने का भी प्रयास किया गया, लेकिन प्रहलाद की भक्ति अडिग थी, हिरण कश्यप के पापों को नाश करने एवं धर्म की स्थापना के लिए भगवान श्री हरि विष्णु को आखिर नरसिंह अवतार लेना पड़ा,भगवान नरसिंह ने हिरण्यकश्यप से पूछा कि तुझे क्या वरदान मिला है।